M.J.M.C

Paper -- 15 -Communication Research

Topic ---Research Hypothesis

Prepared by---**Dr. Kavita Raj**,V.Faculty, Public Administration, A.N.College,Patna, Counselor NOU

प्रश्न ---उत्तम शोध परिकल्पना की मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डालें!!

जब कोई शोधकर्ता किसी सोच समस्या का प्रतिपादन कर उसका समाधान करने के लिए आगे बढ़ता है तो उसके मन में समाधान के रूप में कई तरह के अस्थाई प्रस्ताव आते हैं। दूसरे शब्दों में, शोधकर्ता के मन में कई तरह के हाइपोथिसिस या परिकल्पना बनते हैं ।उसे विचार करना होता है कि उसमें कौन अच्छा है और कौन नहीं। इसका निर्णय लेना शोधकर्ता के लिए मुश्किल हो जाता है। मनोवैज्ञानिकों ने इस तथ्य को

महत्वपूर्ण समझ कर उस पर एकजुट होकर प्रकाश डाला है तथा उत्तम शोध परिकल्पना की पहचान उसकी कसौटियों के आधार पर करने हेतु बल दिया है। इन विशेषताओं को निम्नलिखित बिंदुओं में समझा जा सकता है---

(१) जांचनीय हो,

२) अनुमानात्मक हो

(३) सकारात्मक कथन हो

(४) तार्किक पूर्ण तथा व्यापकता हो,

(५) मितव्यई

(६) समस्या से संबंधित

(७)स्वीकृति या अस्वीकृति के अधीन हो

(८)परिमाणीय हो

(९) मौजूदा सिद्धांत एवं तथ्यों से संबंधित हो

(१०) अध्ययन विधि के अनुकूल हो

(११) दूसरी परिकल्पना से संगत हो ,

(१२)भविष्यवाणी करने में समर्थ हो

(१३)परिकल्पना में अधिक संख्या में परिणाम है

(१४)कथन की अधिक लंबी ना हो

(१५)स्पष्टता का गुण

(१६)नए ज्ञान की खोज हो।

(१)जांचनीय----एक अच्छी या वैज्ञानिक परिकल्पना में परीक्षण के गुण होना आवश्यक और अनिवार्य है ।एक उत्तम शोध परिकल्पना की पहचान यह है कि उसका प्रतिपादन इस ढंग से किया जाना संभव हो ।उसकी जांच करने के बाद यह निश्चित रूप से कहा जा सके कि वह संभवत सही है या संभवतः गलत है इसके लिए आवश्यक है कि प्रा कल्पना की अभिव्यक्ति विस्तृत धन के बजाय विशिष्ट किया जाना चाहिए ।जैसे --"परिणाम का ज्ञान देने पर निष्पादन में उन्नति होती है। इस परिकल्पना को प्रयोग के आधार पर जांच करना संभव है ।वहीं दूसरी ओर दूसरा उदाहरण है जो

करता है वह नरक में जाता है या नहीं है एक नहीं माना जाएगा।

(२) अनुमानात्मक कथन--एक अच्छी परिकल्पना सदा कथन के रूप में होती है प्रश्न के रूप में नहीं। -जैसे--ग्रामीण विकास में पंचायती राज की भूमिका अहम है।

(३) सकारात्मक कथन--- एक अच्छी परिकल्पना में सकारात्मक गुण होने चाहिए जिसने दो चरों के बीच संबंध को सकारात्मक रूप में प्रस्तुत किया जाए जैसे --"चिंता और उपलब्धि के बीच सकारात्मक संबंध नहीं होता है", इसके बजाय "चिंता और उपलब्धि के बीच ऋण आत्मक से संबंध होता है", ज्यादा सही और अच्छी परिकल्पना मानी जाएगी।

(४) तार्किक पूर्ण तथा व्यापकता----मनोवैज्ञानिक शोध तथा शैक्षिक शोध की परिकल्पना में शोध समस्या का एक पर्याप्त उत्तर सीधे मिल जाना चाहिए अर्थात वह अपने आप में

तार्किक रूप से काफी व्यापक और पूर्ण होना चाहिए ।एक अच्छी परिकल्पना समस्या के अलावा अन्य बातों को भी समाहित करती हो ,तो समझना चाहिए कि उसमें तार्किक सरलता तथा व्यापकता का गुण उपलब्ध है।

(५) मितव्यई ---एक अच्छी परिकल्पना को मितव्यई भी होना चाहिए ।एक ही शोध समस्या के समाधान के लिए कई परी कल्पनाएं तैयार की जा सकती है। इनमे से जो सबसे मितव्यई हो उसे अच्छा समझ कर हमें छू लेना चाहिए मितव्यई का अर्थ है उसका स्वरूप ऐसा होना चाहिए जिसकी जांच करने में कम से कम समय और धन की जरूरत हो तथा अधिक से अधिक सुविधा प्राप्त हो जैसे --"धूम्रपान से कैंसर होता है" यह अल्पव्ययी हाइपोथेसिस है ।जबकि" कई कारणों से कैंसर होता है ",यह कई जांच करने की ओर इंगित करता है।

(६) समस्या के संबंध ---एक उत्तम परिकल्पना वास्तव में शोध समस्या का काम चलाऊ उत्तर होता है तथा समस्या से संबंध होता है ।जैसे-- कैंसर क्यों होता है ? इस समस्या का उत्तर है, "अधिक धूम्रपान धूम्रपान से कैंसर होता है "

(७)स्वीकृति या अस्वीकृति के अधीन हो --- एक वैज्ञानिक परिकल्पना ऐसी होती है कि वह स्वीकृत या अस्वीकृत प्रमाणित हो सके ।तीसरा कोई विकल्प ना हो ।

(८) परिमाणात्मक ---इसका अर्थ है कि परिकल्पना में दोनों या अधिक चरों के बीच संबंध का मात्रात्मक अध्ययन संभव हो। जैसे -बुद्धि तथा सृजनात्मकता के गीत धनात्मक सहसंबंध होता है। इस परिकल्पना में दोनों के बीच संबंध का उल्लेख है जिसका मात्रात्मक अध्ययन संभव है। अतः इस परिकल्पना में परिमाणन गुण मौजूद है।

(९) मौजूदा सिद्धांतों तथ्यों से संबंधित हो ---परिकल्पना में गुण होना चाहिए कि वह किसी सिद्धांत से संबंधित हो । जैसे--" परिणाम के ज्ञान से निष्पादन उन्नत बन जाता है

।"यह परिकल्पना एक विद्वान के सिद्धांत से संबंध होने के कारण एक अच्छी परिकल्पना मानी जाएगी।

(१०) अध्ययन विधि के अनुकूल हो --एक अच्छी परिकल्पना किसी निर्धारित विधि के अनुकूल होनी चाहिए इसे प्रमाणित करना अधिक सुलभ तथा आसान होता है।

(११) दूसरी परिकल्पनाओं से संबंध हो और संगत हो ---एक वैज्ञानिक परिकल्पना या अच्छी परिकल्पना को अनुसंधान के क्षेत्र में अन्य हाइपोथिसिस से संगत होना चाहिए, विरोधी नहीं।

(१२) भविष्यवाणी करने में समर्थ होना चाहिए --परिकल्पना ऐसी हो ,जिसके आधार पर भविष्य में होने वाली घटनाओं के संबंध में पूर्व कथन किया जा सके ।जैसे-- धूम्रपान से कैंसर होता है, अर्थात जो धूम्रपान करेगा, उसको कैंसर हो जाएगा।

(१३)अधिक संख्या में परिणाम हो --एक अच्छी परिकल्पना की यही पहचान है कि उसके द्वारा अधिक संख्या में परिणामों का प्रस्तुतीकरण संभव हो अर्थात इससे पूर्व स्थापित तत्वों की व्याख्या हो सके और ऐसी घटनाओं के संबंध में भविष्यवाणी की जा सके जिन का अध्ययन अब तक नहीं हो सका है अथवा जो अप्रमाणित हो।

(१४) कथन की लंबाई अधिक ना हो--वैज्ञानिक परिकल्पना की लंबाई अधिक नहीं होनी चाहिए। अत्याधिक लंबा कथन अर्थ को स्पष्ट नहीं कर पाता है तथा अत्याधिक छोटा भी नहीं होना चाहिए अर्थात अनुकूल हो मॉडरेट हो।

(१५)स्पष्टता का गुण --परिकल्पना में ऐसे शब्दों का व्यवहार किया जाना चाहिए कि अर्थ स्पष्ट तथा सार्वजनिक हो और नए शोधार्थी के लिए समझने योग्य।

(१६) नए ज्ञान की खोज हो ---एक उत्तम परिकल्पना द्वारा नए ज्ञान की ओरर बढ़ावा दिया जाना चाहिए ।जैसे--" न्यूटन में पृथ्वी में आकर्षण शक्ति है" परिकल्पना की। बाद में शोध

द्वारा गुरुत्वाकर्षण के नियमों का प्रतिपादन हुआ ,जो नए ज्ञान की ओर बढ़ा ।उसी प्रकार "ग्रामीण विकास में ई प्रशासन उपयोगी साबित हो सकता है । " यह कथन ग्रामीण विकास के कार्यक्रमों में नए प्रतिमान में ई प्रशासन को अध्ययन के रूप में प्रस्तुत करता है ।लोग ई प्रशासन को ग्रामीण विकास के संदर्भ में नए तरीके से सोचने को प्रेरित होंगे ।

इस प्रकार स्पष्ट है कि अच्छी परिकल्पना की उपरोक्त कई कसोटिया है। इन सभी गुणों में काफी सहमति है ।अतः एक शोधकर्ता को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि किसी परिकल्पना में अधिक से अधिक विशेषताएं कसौटी या या गुण इतनी अधिक संख्या में उपलब्ध होते हैं ,उसे उतना ही अधिक वैज्ञानिक माना जाता है ।उसे अच्छी परिकल्पना का चयन करना चाहिए अपने शोध करने में।